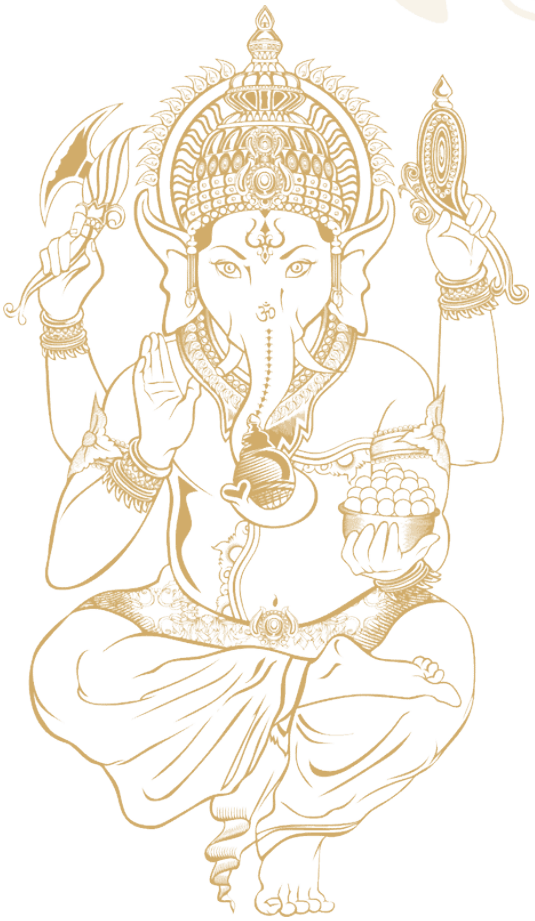

Mr.

19 Mar 2026

05:17 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121645002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:17:00 घंटे**
इष्ट	27:05:37 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:55:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:47 घंटे
साम्पातिक काल	04:44:01 घंटे
सूर्योदय	06:26:45 घंटे
सूर्यास्त	18:31:36 घंटे
दिनमान	12:04:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:39:26 मीन
लग्न के अंश	19:04:36 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:04:36	316:02:22	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मीन	04:39:26	00:59:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मीन	10:18:12	14:05:17	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	19:04:49	00:47:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:21:13	00:08:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	20:58:31	00:01:37	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	21:58:04	01:14:19	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:45:44	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:43:53	00:01:54	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:43:53	00:01:54	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:02:23	00:02:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:30:21	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:45:25	00:01:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	18:15:01	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

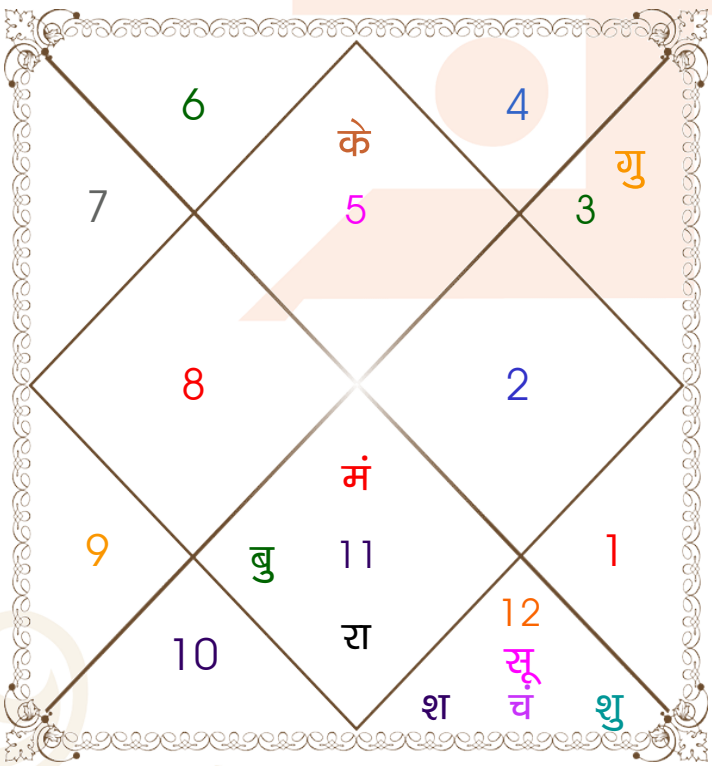

चन्द्र कुंडली

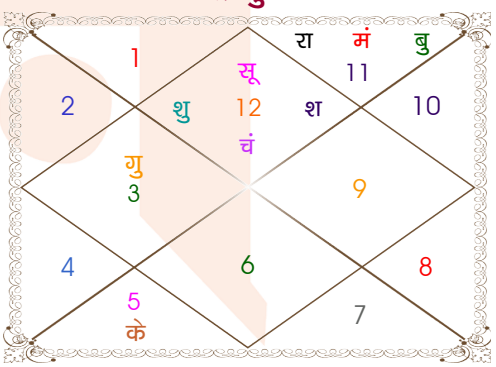

नवमांश कुंडली

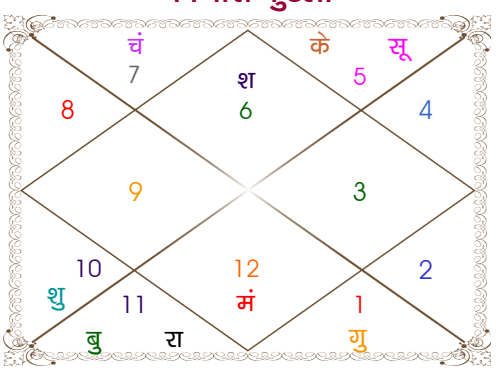

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 0 मास 24 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/03/2026		13/04/2035		13/04/2052		13/04/2059		13/04/2079	
13/04/2035		13/04/2052		13/04/2059		13/04/2079		13/04/2085	
	00/00/0000	बुध	09/09/2037	केतु	09/09/2052	शुक्र	13/08/2062	सूर्य	01/08/2079
	00/00/0000	केतु	06/09/2038	शुक्र	09/11/2053	सूर्य	13/08/2063	चंद्र	30/01/2080
	19/03/2026	शुक्र	07/07/2041	सूर्य	17/03/2054	चंद्र	13/04/2065	मंगल	06/06/2080
शुक्र	04/04/2026	सूर्य	13/05/2042	चंद्र	16/10/2054	मंगल	13/06/2066	राहु	01/05/2081
सूर्य	17/03/2027	चंद्र	13/10/2043	मंगल	14/03/2055	राहु	13/06/2069	गुरु	17/02/2082
चंद्र	15/10/2028	मंगल	09/10/2044	राहु	31/03/2056	गुरु	12/02/2072	शनि	30/01/2083
मंगल	24/11/2029	राहु	29/04/2047	गुरु	07/03/2057	शनि	13/04/2075	बुध	07/12/2083
राहु	30/09/2032	गुरु	03/08/2049	शनि	16/04/2058	बुध	11/02/2078	केतु	13/04/2084
गुरु	13/04/2035	शनि	13/04/2052	बुध	13/04/2059	केतु	13/04/2079	शुक्र	13/04/2085

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/04/2085		13/04/2095		14/04/2102		14/04/2120		14/04/2136	
13/04/2095		14/04/2102		14/04/2120		14/04/2136		00/00/0000	
चंद्र	11/02/2086	मंगल	09/09/2095	राहु	25/12/2104	गुरु	02/06/2122	शनि	17/04/2139
मंगल	12/09/2086	राहु	27/09/2096	गुरु	21/05/2107	शनि	13/12/2124	बुध	25/12/2141
राहु	13/03/2088	गुरु	03/09/2097	शनि	27/03/2110	बुध	21/03/2127	केतु	03/02/2143
गुरु	13/07/2089	शनि	13/10/2098	बुध	13/10/2112	केतु	25/02/2128	शुक्र	20/03/2146
शनि	11/02/2091	बुध	10/10/2099	केतु	01/11/2113	शुक्र	26/10/2130		00/00/0000
बुध	13/07/2092	केतु	08/03/2100	शुक्र	31/10/2116	सूर्य	14/08/2131		00/00/0000
केतु	11/02/2093	शुक्र	08/05/2101	सूर्य	25/09/2117	चंद्र	13/12/2132		00/00/0000
शुक्र	13/10/2094	सूर्य	13/09/2101	चंद्र	27/03/2119	मंगल	19/11/2133		00/00/0000
सूर्य	13/04/2095	चंद्र	14/04/2102	मंगल	14/04/2120	राहु	14/04/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।